Roll No. ..... Total Pages: 04

1152

I[st] YEAR ARTS EXAMINATION, 2018

संस्कृत साहित्य

द्वितीय प्रश्न पत्र

गद्य व्याकरण एवं अनुवाद

Time: Three Hours

Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड– अ

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दे – (20)

(1) हितोपदेश के रचयिता नारायण पण्डित किस राज्य के राजकवि थे?

(2) हितोपदेश में कितने परिच्छेद हैं? नाम लिखिए।

(3) संसार में छः सुख कौन से हैं?

(4) ''नीचैरनुदात्तः'' सूत्र का उदाहरण सहित अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(5) ''वृद्धिसन्धि विधायक'' सूत्र का सोदाहरण अर्थ बताइये।

(6) ''एचोऽयवायावः'' सूत्र का सोदाहरण अर्थ बताइये।

(7) गुणसंज्ञा विधायक सूत्र लिखिए।

(8) 'पृच्छ्'– धातु के योग में कौन सी विभक्ति होती है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(9) 'धारेरूत्तमर्णः' सूत्र को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(10) ''फलों में आमफल श्रेष्ठ है।'' संस्कृत में अनुवाद कीजिए।

खण्ड– ब

(क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की व्याख्या कीजिए– (10)

(i) यौवनं धन सम्पत्तिः प्रभुत्वमविवेकिता।
एकैकमप्यनर्थाय किमु यत्र चटुष्टयम्।।

(ii) अवशेन्द्रियचित्तानां हस्तिस्नानमिव क्रिया।
दुर्भगाभरणप्रायो ज्ञानं भारः क्रियां विना।।

(iii) शरीरस्य गुणानाञ्च दूरमत्यन्तमन्तरम्।
शरीरं क्षणविध्वंसि, कल्पान्तस्थायिनो गुणाः।।

(iv) सत्संगः केशवे भक्तिर्गङ्गाम्भसि निमज्जनम्।
असारे खलु संसारे त्रीणि साराणि भावयेत्।।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (5)

(i) हलन्त्यम् (ii) उच्चैरूदात्तः

(iii) हलोऽनन्तरा संयोगः (iv) सुप्तिङन्तं पदम्

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदों की सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्धि कीजिए– (5)

(i) मद्ध्वरिः (ii) श्रीशः

(iii) गायकः (iv) सदैव

(घ) निम्नलिखित पदों में से किन्हीं पाँच पदों का समास नाम निर्देशपूर्वक समास–विग्रह कीजिए– (10)

(i) लम्बोदरम्
(ii) चराचरम्
(iii) अधिहरि
(iv) निर्धनः
(v) दशाननः
(vi) पञ्चगङ्गम्
(vii) हिमालयः
(vii) पाणिपादम्
(ix) पितरौ
(x) पञ्चमूली

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दस शब्दरूपों का मूलशब्द, लिङ्ग, वचन एवं विभक्ति बताइये– (10)

(i) सर्वस्मिन्
(ii) इमे
(iii) अमुष्यै
(iv) तया
(v) यानि
(vi) एतस्मै
(vii) एकस्मिन्
(viii) चतसृणाम्
(ix) विद्वत्सु
(x) राज्ञि
(xi) स्त्रीः
(xii) दिग्भिः
(xiii) वाक्षु
(xiv) नामभिः
(xv) धनुषे
(xvi) भवता
(xvii) मातृः
(xviii) पित्रे
(ixx) पुमान्
(xx) सरिति

(च) निम्नलिखित में से किन्हीं दस वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :– (10)

(i) छात्रों का कल्याण हो।
(ii) मोहन को लड्डू अच्छा लगता है।
(iii) राम अध्यापक से संस्कृत पढ़ता है।
(iv) वह मोहन से ईर्ष्या करता है।
(v) हिमालय से गग उत्पन्न होती है।
(vi) वह बालक घोड़े से गिरा।
(vii) वह वहाँ देखेगा।

(viii) हम दोनों पत्र लिखेंगें।

(ix) बालकों में मोहन श्रेष्ठ है।

(x) सोहन सिर से गंजा है।

(xi) वह धन के लिए वहाँ रहता है।

(xii) ज्ञान के बिना सुख नहीं है।

(xiii) वह घोड़े को घर में ले जाता है।

(xiv) नगर के चारों और पानी है।

(xv) मोहन कानों से बहरा है।

(xvi) मैं कल उदयपुर गया था।

(xvii) हम सबको सत्य बोलना चाहिए।

(xviii) वह फूल सूंघे।

(ixx) वह लता से फूल चुनता है।

(xx) वह बालिका पानी पीती है।

खण्ड– स

(1) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर दीजिए– (15)

(क) हितोपदेश–मित्रलाभ में वर्णित प्रतिपाद्य विषयों को स्पष्ट कीजिए।

(ख) हस्तिश्रृगालकथा का सारांश लिखते हुए उससे प्राप्त होने वाली शिक्षा को स्पष्ट कीजिए।

(2) निम्नलिखित में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए– (15)

(i) अकथितं च (ii) इत्थंभूतलक्षणे

(iii) तादर्थ्ये चतुर्थी वाच्या (iv) आख्यातोपयोगे

(v) जनिकर्तुः प्रकृतिः (vi) कर्तृकर्मणोकृतिः

(vii) आधारोऽधिकरणम् (viii) यतश्च निर्धारणम्